RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

पैदल सड़कों पर फिरें, जैसे फिरें अनाथ।
कहां नहीं है अतिक्रमण, सिसक रहे फुटपाथ।
सिसक रहे फुटपाथ, उगी हैं कहीं झाड़ियां।
फड़ी-रेहड़ी कहीं, कहीं पर खड़ी गाड़ियां।
कह साहिल कविराय, घनी ट्रैफिक की दलदल।
फंसकर इसमें कई, आ रहे नीचे पैदल।

– डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 161 | SUNDAY 21-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

आखिरकार आईडीएफ मामले में पंजाब के 200 बड़े उद्योगों को राहत, हाईकोर्ट के आदेश के बाद PSPCL ने विवादित आदेश रोका

इंडस्ट्री बोली–पहले से दबाव झेल रहे उद्योगों पर अतिरिक्त बोझ डालना उचित नहीं, सरकार को औद्योगिक माहौल बचाने के लिए सकारात्मक फैसला लेना चाहिए

लुधियाना/यूटर्न/20 जून। पंजाब के उद्योग जगत के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फीस यानी आईडीएफ मामले में बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चल रहे मामले के बाद पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने 29 अप्रैल 2026 को जारी विवादित स्पष्टीकरण को फिलहाल स्थगित कर दिया है। इस आदेश के बाद पंजाब प्रदेश की करीब 200 बड़े औद्योगिक उपभोक्ताओं को राहत मिली है, जो आईडीएफ के अतिरिक्त वित्तीय बोझ को लेकर लगातार विरोध जता रहे थे। PSPCL की ओर से 19 जून 2026 को जारी पत्र में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के अनुसार 29 अप्रैल 2026 की क्लैरिफिकेशन को फिलहाल अबेयॉन्स में रखा जाए। यह मामला मंडी गोबिंदगढ़ इंडक्शन फर्नेस एसोसिएशन बनाम पंजाब सरकार और अन्य तथा गणेश एडिबल प्राइवेट लिमिटेड बनाम पंजाब सरकार और अन्य से संबंधित है। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान पंजाब के एडवोकेट जनरल ने बयान दिया कि याचिकाकर्ता अपनी शिकायतें PSPCL के चेयरमैन के समक्ष प्रतिनिधित्व के रूप में रखें। इसके बाद PSPCL इस पर तीन सप्ताह के भीतर विचार कर फैसला लेगा। इसी दौरान 29 अप्रैल 2026 के विवादित आदेश को लागू नहीं किया जाएगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई 2026 तय की है।

इस पूरे मामले में हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश को उद्योगों ने न्याय और राहत की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। अब सबकी नजर PSPCL के अंतिम निर्णय पर रहेगी। उद्योग जगत को उम्मीद है कि कॉरपोरेशन और सरकार पंजाब की इंडस्ट्री की वास्तविक स्थिति को समझते हुए ऐसा फैसला लेंगे, जिससे उद्योगों पर अनावश्यक बोझ न पड़े और राज्य का औद्योगिक माहौल मजबूत बना रहे।

इन्वेस्ट पंजाब स्किम के तहत इंसेंटिव है IDF : नरेंद्र भाम्बरा

नरेंद्र भाम्बरा है कि पंजाब सरकार ने वर्ष २०१७ की इन्वेस्ट पंजाब पॉलिसी के तहत निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए IDF इंसेंटिव का प्रावधान दिया था लेकिन मौजूदा सरकार ने पहले इसकी रिकवरी के नोटिस जारी किए बाद में मंत्री संजीव अरोड़ा के इंडस्ट्री का पक्ष रखने के बाद वर्तमान समय से आगे IDF इंसेंटिव रिलीज ना करने के नोटिफिकेशन जारी कर दिए जो की सीधे तौर से इंडस्ट्री के वायदा खिलाफी एवं धोखा है इंडस्ट्री को बेबस हो कर अपने हक के लिए माननीय कोर्ट में जाना पड़ा जिस पर इंडस्ट्री को राहत मिली है

१०० से ज्यादा इकाइयां है प्रभावित : केके गर्ग

नार्थ इण्डिया इंडक्शन फर्नेस के प्रधान केके गर्ग अनुसार, हाईकोर्ट की कार्यवाही और PSPCL की ओर से आदेश को रोके जाने से फिलहाल 200 बड़े उद्योगों को राहत जरूर मिली है, लेकिन असली राहत तभी मानी जाएगी जब PSPCL तीन सप्ताह के भीतर उद्योगों की आपत्तियों को गंभीरता से सुनकर न्यायसंगत फैसला लेगा। उद्योग संगठनों ने मांग की है कि किसी भी तरह का फैसला लेने से पहले प्रभावित उद्योगों, एसोसिएशनों और विशेषज्ञों से विस्तृत चर्चा की जाए।

औद्योगिक नीतियों में स्थिरता और स्पष्टता जरूरी : मोहिंदर गुप्ता

मोहिंदर गुप्ता का कहना है कि पंजाब सरकार को औद्योगिक नीतियों में स्थिरता और स्पष्टता लानी होगी। बार-बार बदलते आदेशों, शुल्कों और स्पष्टीकरणों से उद्योगों की प्लानिंग प्रभावित होती है। किसी भी यूनिट के लिए बिजली खर्च उत्पादन लागत का बड़ा हिस्सा होता है। यदि बिजली से जुड़े शुल्कों में अनिश्चितता रहेगी तो उद्योग न तो विस्तार कर पाएंगे और न ही नए निवेश का जोखिम उठा पाएंगे।

इंडस्ट्री की प्रमुख मांगें

- 29 अप्रैल 2026 के विवादित आदेश को स्थायी रूप से वापस लिया जाए।
- आईडीएफ संबंधी किसी भी फैसले से पहले उद्योग संगठनों से सलाह-मशविरा हो।
- छोटे और मध्यम उद्योगों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ न डाला जाए।
- बिजली से जुड़ी नीतियों में स्पष्टता और स्थिरता लाई जाए।
- पंजाब में निवेश और रोजगार बचाने के लिए उद्योग-हितैषी फैसला लिया जाए।

निवेश की एवज में मिलने वाला इंसेंटिव इंडस्ट्री का मौखिक अधिकार : भारत भूषण टोनी

मंडी गोबिंदगढ़ फर्नेस एसो के प्रधान भारत भूषण टोनी ने बताया कि यह फैसला पंजाब के उद्योगों के लिए बड़ी राहत है। उनका कहना है कि प्रदेश की इंडस्ट्री पहले ही कच्चे माल की कीमतों, बिजली दरों, बाजार में मंदी, प्रतिस्पर्धा और उत्पादन लागत बढ़ने जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे समय में आईडीएफ के नाम पर अतिरिक्त बोझ उद्योगों की कमर तोड़ सकता था। खासकर एमएसएमई, फर्नेस, स्टील, मशीनरी, फूड प्रोसेसिंग और छोटे-मध्यम उत्पादन यूनिटों पर इसका सीधा असर पड़ना तय था। उद्योग जगत का तर्क है कि पंजाब की औद्योगिक पहचान मेहनती उद्यमियों, कुशल श्रमिकों और मजबूत उत्पादन क्षमता के कारण बनी है। यदि बिजली से जुड़े शुल्कों और फीस में लगातार बढ़ोतरी होती रही तो नए निवेशक पंजाब की बजाय अन्य राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं। इससे रोजगार, उत्पादन और राज्य के राजस्व पर भी असर पड़ सकता है।

ईडी ने पीएसआईईसी अधिकारियों को किया समन, मंत्री अरोड़ा से जुड़ी औद्योगिक जमीन का रिकॉर्ड तलब

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। पंजाब में औद्योगिक जमीनों के अलॉटमेंट से जुड़ा मामला अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में आ गया है। ईडी ने पंजाब स्मॉल इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसआईईसी) के अधिकारियों को समन जारी कर एक प्राइम लोकेशन पर अलॉट करीब 40 एकड़ औद्योगिक जमीन से संबंधित पूरा रिकॉर्ड तलब किया है। सूत्रों के अनुसार, यह जमीन पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनियों को औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए अलॉट की गई बताई जा रही है। ईडी ने पीएसआईईसी से जमीन अलॉटमेंट की पूरी प्रक्रिया, आवेदन, मंजूरियां, भुगतान विवरण, फाइल नोटिंग, नियम-शर्तें और विभागीय पत्राचार सहित सभी दस्तावेज पेश करने को कहा है।

जानकारी के मुताबिक, ईडी की नजर केवल एक अलॉटमेंट तक सीमित नहीं है। इसी स्कीम के तहत कई अन्य औद्योगिक घरानों और कंपनियों को अलॉट हुई जमीनों के रिकॉर्ड भी जांच एजेंसी के रडार पर हैं। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि औद्योगिक जमीनों के आवंटन में नियमों का पालन किया गया या प्रक्रिया में किसी स्तर पर अनियमितता बरती गई। सूत्रों का दावा है कि ईडी इस मामले में धन के लेन-देन, लाभार्थियों की भूमिका और अलॉटमेंट से जुड़े फैसलों की भी जांच कर सकती है। पीएसआईईसी से रिकॉर्ड मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों, कंपनियों और लाभार्थियों से पूछताछ की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा। फिलहाल ईडी की इस कार्रवाई ने पंजाब की औद्योगिक जमीन अलॉटमेंट नीति और पीएसआईईसी की कार्यप्रणाली पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीएम किसान योजना की 23वीं किस्त जारी, करोड़ों किसानों के खातों में पहुंचे 18,880 करोड़ रुपये

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 23वीं किस्त जारी होने के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) शिकोहपुर तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, गुरुग्राम द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी की। इसके तहत देशभर के 9 करोड़ 44 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से कुल 18,880 करोड़ रुपये की राशि भेजी गई। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के

कल्याण, कृषि विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में किसानों के हित में कई योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ सीधे किसानों तक पहुंच रहा है। सरकार का लक्ष्य खेती को अधिक लाभकारी बनाना और किसानों की आय बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि सरकार आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, मृदा परीक्षण, फसल बीमा और कृषि उपकरणों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि हो सके। कार्यक्रम के दौरान किसान गोष्ठी भी आयोजित की गई, जिसमें बीज व मृदा उपचार, कीट एवं रोग प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, ड्रोन तकनीक, किसान उत्पादक संगठनों के लाभ तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 161 | SUNDAY 21-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

CATC-38 के पाँचवें दिन कौशल विकास, टीम भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह पर विशेष जोर

फगवाड़ा/यूटर्न/20 जून (शिव कौड़ा)। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) फगवाड़ा में 8 पंजाब बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (CATC-38) के पाँचवें दिन कैडेटों के सर्वांगीण विकास हेतु सैन्य प्रशिक्षण, तकनीकी जागरूकता एवं खेल गतिविधियों का प्रभावशाली आयोजन किया गया।दिन की शुरूआत एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं से हुई, जिसमें कैडेटों ने उत्साह, सहनशक्ति एवं खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया इसके पश्चात ड्रिल हथियार प्रशिक्षण तथा मैप रीडिंग की गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिससे कैडेटों की सैन्य दक्षता अनुशासन एवं नेविगेशन कौशल में वृद्धि हुई।

सावधानः लुधियाना में डिजीटल एस्ट्रोलॉजर्स एक्टिव, मोबाइल सिम से तकदीर बढ़िया बदलने का झांसा, लाखों रुपए प्रति सिम रेट

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/20 जून। आज के समय में एस्ट्रोलॉजर्स की और से लोगों को नए-नए भ्रम में डालकर मोटी कमाई की जा रही है। इसमें कुछ तो सही काम कर रहे हैं, लेकिन कइयों द्वारा इसे अपना कमाई का साधन ही बना लिया गया है। ऐसे ही कुछ डिजीटल एस्ट्रोलॉजर्स लुधियाना में एक्टिव हो चुके हैं। जिनकी और से एक मोबाइल सिम के जरिए लोगों की तकदीर एकदम बढ़िया बनाने, चंद दिनों में अमीर होने का झांसा दिया जाता है, जिसके बाद उनसे मोटी रकम वसूल की जाती है। चर्चा है कि एस्ट्रोलॉजर्स की और से दिए जाने वाले सिम की कीमत 2 से 3 लाख रुपए होती है, बेशक मार्केट में वहीं सिम 200 से 300 रुपए में मिल जाती है, मगर एस्ट्रोलॉजर्स द्वारा उसे लक्की सिम बताकर कमाई का साधन बना रखा है। इस पूरे खेल में कई नामी टेलीकॉम कंपनियों के अधिकारी और मुलाजिम भी शामिल हैं। इन फर्जी एस्ट्रोलॉजर्स के चक्कर में लुधियाना के कई सरकारी अधिकारी, मुलाजिम और कारोबारी फंस चुके हैं। जिनसे भारी भरकम रकम वसूली हो चुकी है। इन एस्ट्रोलॉजर्स द्वारा इतने शातिर तरीके से लोगों का माइंड वॉश किया जाता है कि उन्हें ठगी का पता ही नहीं चलता। हालांकि इससे उनकी तकदीर तो नहीं बदली, लेकिन बैंक बैलेंस जरुर कम हो गया। यह ठगियां शहर में बढ़ रही है। जिसके चलते शहरवासियों को ऐसे एस्ट्रोलॉजर्स से बचाव करने की जरुरत है।

कई टेलीकॉम कंपनियों के मुलाजिमों की भी मिलीभगत

टेलीकॉम कंपनी अधिकारियों की होती है हिस्सेदारी

चर्चा है कि इस पूरी नौसरबाजी में अकेले एक एस्ट्रोलॉजर ही शामिल नहीं है, बल्कि उनका अपना पूरा गैंग होता है। जिसमें एस्ट्रोलॉजर्स के सहायक और कई टेलीकॉम कंपनियों के अधिकारी और मुलाजिम भी शामिल होते हैं। सिम प्रोवाइड करवाकर देने की एवज में उन्हें 20 हजार से एक लाख रुपए तक दिए जाते हैं। ज्यादा सिम बेचने पर उन्हें कंपनी से भी कमीशन मिलता है। कंपनियों के उच्च अधिकारियों को इस पर ध्यान देने की जरुरत है।

इस नौसरबाजी में महिलाएं भी शामिल... चर्चा है कि इस नौसरबाजी में अकेले पुरुष एस्ट्रोलॉजर शामिल नहीं है, बल्कि इनमें महिलाएं भी शामिल है। हालांकि यह भविष्यवाणी करने वाले खुद सामने नहीं आते और पूरा खेल सिर्फ फोन पर किया जाता है। लुधियाना में ज्यादातर महिलाएं ही एक्टिव है। बस सिम पकड़ाने के लिए एक युवक को भेजा जाता है। सिम भी ज्यादातर बस स्टॉप के नजदीक पकड़ाया जाता है और सिम देने वाला युवक एक बस से उतरकर तुरंत दूसरी बस में सवार होकर निकल जाता है।

कुछ महीनों बाद सिम कर दी जाती है बंद... इन एस्ट्रोलॉजर्स द्वारा सिर्फ एक बारी ठगी नहीं की जाती, बल्कि कुछ महीने बाद उसी व्यक्ति को दोबारा अपना शिकार बनाया जाता है। सिम एस्ट्रोलॉजर अपने नाम पर लेते हैं। जिसके चलते कुछ महीनों बाद वे सिम बंद करवा देते हैं। फिर व्यक्ति उनसे संपर्क करता है और वे और पेमेंट लेकर दोबारा से सिम चला देते हैं। यह सिलसिला 2-3 बार चलता है। तकदीर बदलने का समय 1 से 2 महीने दिया जाता है। तब तक पूरी तरह पीड़ित को ठग लिया जाता है।

कॉल और मोबाइल इस्तेमाल की भी होती हैं शर्तें... यहीं नहीं इन एस्ट्रोलॉजर की और से व्यक्ति को इस तरीके से झांसे में फंसाया जाता है कि उसे उक्त लक्की सिम से किन लोगों को कॉल करनी है और किस मोबाइल में डालकर उसे इस्तेमाल करना है, इसकी भी शर्तें रखी जाती है। अब अगर किसी को अपने जीवन में सुधार नहीं दिखता तो शिकायत करने पर वे उन्हीं की गलियां निकालकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। पहले तो काम न होने पर पेमेंट वापिस की बात कही जाती है, लेकिन लुधियाना में शिकार हुए कई पीड़ितों की महिला एस्ट्रोलॉजर्स द्वारा पेमेंट तक वापिस नहीं की गई।

ऐसे किया जाता है पूरा खेल

दरअसल, भविष्यवाणी में खुद को एक्सपर्ट करने वाले लोगों द्वारा पहले व्यक्ति से आधा से एक घंटे तक लंबी बातें की जाती है। उन्हीं से उनके जीवन की सारी बातें पूछकर आइडिया लगाकर आगे बताया जाता है। जिससे सामने वाला व्यक्ति विश्वास कर बैठता है। फिर उसे एक गिनती का जोड़ा या अक्षरों का बताया जाता है कि उसे यह नंबर सूट करेगा। उदाहरण के तौर पर जैसे कि 123, 324 या अन्य। सिम वे खुद प्रोवाइड करवाकर देते हैं। सामने वाले व्यक्ति की इशाओं के मुताबिक प्रति सिम कीमत तय की जाती है। फिर वहीं गिनती के अक्षरों वाली सिम एस्ट्रोलॉजर अपने नाम पर कंपनी से खरीदते है और आगे दे दिया जाता है। जब कई पीड़ितों ने जांच करवाई, तो पता चला कि वे सिम उनकी पेमेंट अदायगी के दिन ही इशू हुआ था। यानि कि टेलीकॉम कंपनियां की भी मिलीभगत है।

ऑपरेशन मैदान 2.0: पंचकूला पुलिस का बस्तियों, गांवों और संवेदनशील इलाकों में सघन तलाशी अभियान

स्निफर डॉग की मदद से कई क्षेत्रों में की गई चेकिंग, लोगों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

पंचकूला/यूटर्न/20 जून। जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से पंचकूला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मैदान 2.0' के तहत शनिवार को विभिन्न बस्तियों, गांवों, सेक्टरों और संवेदनशील क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीमों ने स्निफर डॉग स्क्वॉड की सहायता से संदिग्ध स्थानों की जांच की और लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि पुलिस कमिश्नर पंकज नैन के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य केवल नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को नशे से दूर रखना भी है। अमरावती चौकी इंचार्ज प्रीतम सिंह की मौजूदगी में पुलिस टीम ने स्निफर डॉग स्क्वॉड के साथ लम्बू कॉलोनी और रामपुर स्यूड़ी क्षेत्र में विशेष तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए लोगों से नशा तस्करी की सूचना तुरंत पुलिस तक पहुंचाने की अपील की।

वहीं, सेक्टर-2 चौकी इंचार्ज नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में गांव हरिपुर, रैला और माजरी में भी तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर युवाओं को नशे से दूर रहने और नशा तस्करों के

खिलाफ जानकारी साझा करने का आह्वान किया। इसके अलावा थाना सेक्टर-20 प्रभारी इंस्पेक्टर सोमबीर सिंह की अगुवाई में आशियाना सेक्टर-20, आंगनबाड़ी केंद्र और बूस्टिंग स्टेशन वाटर पंप क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने स्थानीय निवासियों को नशे के खिलाफ चल रही मुहिम में सहयोग देने की अपील की।

पुलिस कमिश्नर पंकज नैन ने कहा कि पंचकूला पुलिस जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और सख्ती के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन मैदान 2.0' केवल एक अभियान नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव का मिशन है। नशा तस्करों के लिए जिले में कोई जगह नहीं है और उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। पंचकूला पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी नशा तस्करी, नशे के कारोबार या किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो इसकी सूचना पुलिस हेल्पलाइन नंबर 7087081100, 7087081048 या मानस हेल्पलाइन 1933 पर दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

पंचकूला में ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले तीन युवकों पर कार्रवाई, 22,500 रुपये का चालान

पंचकूला/यूटर्न/20 जून। सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पंचकूला ट्रैफिक पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीन युवकों का 22,500 रुपये का चालान किया और उनकी मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार, मनसा देवी कॉम्प्लेक्स थाना क्षेत्र के सिंह द्वार के पास ट्रैफिक पुलिस की टीम नियमित चेकिंग और यातायात व्यवस्था की निगरानी कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल को रोका, जिस पर तीन युवक सवार थे। पुलिस के मुताबिक युवक बिना हेलमेट के बाइक चला रहे थे और रेड लाइट जंप कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। जांच के दौरान पाया गया कि तीनों युवक शराब के नशे में थे। इसके अलावा उनके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था और मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी हुई थी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई से बचने के लिए युवक मौके पर माफी मांगने लगे, लेकिन ट्रैफिक नियमों के गंभीर उल्लंघन को देखते हुए पुलिस ने उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की। ट्रैफिक पुलिस ने मोटरसाइकिल का 22,500 रुपये का चालान काटा और वाहन को जब्त कर मनसा देवी कॉम्प्लेक्स थाने में खड़ा करवा दिया। डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाना, ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट वाहन चलाना और रेड लाइट जंप करना गंभीर यातायात उल्लंघन हैं, जो न केवल चालक बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी खतरा पैदा करते हैं।

मेयर के दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर: संदीप दहिया

डीप क्लीनिंग अभियान को बताया विफल, सफाई कर्मचारियों के हितों की अनदेखी का लगाया आरोप

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। आम आदमी पार्टी के नेता संदीप दहिया ने चंडीगढ़ के मेयर और वार्ड-12 के पार्षद पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेयर बनने के बाद से उन्होंने अपने वार्ड की समस्याओं की अनदेखी की है और सफाई कर्मचारियों के हितों के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

दहिया ने कहा कि 16 जून को सेक्टर-15 के कम्युनिटी सेंटर में वार्ड-वाइज डीप क्लीनिंग अभियान का शुभारंभ किया गया था। इस दौरान मेयर ने सफाई कर्मचारियों के पैर धोकर उनका सम्मान किया, लेकिन यह कदम केवल प्रचार हासिल करने के उद्देश्य से उठाया गया। उन्होंने कहा कि यदि मेयर वास्तव में सफाई कर्मचारियों के हितैषी हैं तो उन्हें उनकी सीधी भर्ती, वेतन वृद्धि और अन्य सुविधाओं के लिए प्रयास करने चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम में कार्यरत रहते हुए जिन कर्मचारियों की मृत्यु हो गई, उनके आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दिलाने के लिए भी कोई पहल नहीं की गई।

संदीप दहिया ने कहा कि डीप क्लीनिंग अभियान के शुभारंभ के दौरान मेयर ने दावा किया था कि सेक्टर-15 में 500 कर्मचारी लगाए गए हैं और एक ही दिन में पूरे क्षेत्र की गहन सफाई

कर दी जाएगी। हालांकि, उनके अनुसार जमीनी स्थिति इससे अलग है। उन्होंने कहा कि सेक्टर-15 में अभी भी टूटी सड़कें, कचरे के ढेर, जाम नालियां, खाली मैदानों में उगी खरपतवार और कई अन्य सफाई संबंधी समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे में डीप क्लीनिंग अभियान के सफल होने के दावों पर सवाल खड़े होते हैं।

दहिया ने दावा किया कि वार्ड-12 के कई निवासियों का मानना है कि यह परियोजना अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी और यदि इसी तरीके से इसे अन्य वार्डों में लागू किया गया तो वहां भी स्थिति बेहतर नहीं होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे किसी भी अभियान को शुरू करने से पहले रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) और स्थानीय निवासियों से विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। साथ ही सभी पार्षदों की बैठक में इस योजना पर विस्तृत

चर्चा होनी चाहिए। आम आदमी पार्टी नेता संदीप दहिया ने चंडीगढ़ के प्रशासक और नगर निगम आयुक्त से मांग की कि सभी वार्डों में जरूरत के अनुसार स्थायी जनशक्ति उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि एक दिन के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों को लगाने के बजाय प्रत्येक वार्ड में पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारी नियमित रूप से तैनात किए जाएं, ताकि शहर की साफ-सफाई व्यवस्था लगातार बेहतर बनी रहे।

शिरोमणि अकाली दल का विस्तार: जगरांव में नए पदाधिकारियों का सम्मान

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/20/जून। शिरोमणि अकाली दल ने जगरांव हलके में अपनी संगठनात्मक संरचना को मजबूत करते हुए नए पदाधिकारियों को नियुक्त किया है। हाल ही में आयोजित एक विशेष समारोह में हलके के नवनियुक्त प्रधानों और विभिन्न विंगों के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें बूथ स्तर पर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। नए पदाधिकारियों ने पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ पार्टी की मजबूती और 'चढ़दी कला' के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

प्रमुख नियुक्तियाँ: समारोह में हलका युवा प्रधान जसप्रीत सिंह लक्खा चकर, स्त्री अकाली दल प्रधान सतपाल कौर ग्रेवाल, एससी विंग प्रधान रेशम सिंह मानूंके, व्यापारी विंग प्रधान हरदेव सिंह बॉबी, बीसी विंग प्रधान परमिंदर सिंह कंबो हठूर, आईटी विंग प्रधान सुखदेव सिंह काऊंके, आईटी कोआर्डिनेटर गुरप्रीत सिंह बस्सूवाल, ट्रांसपोर्ट विंग प्रधान गुरतेज सिंह चीमा और किसान विंग प्रधान बूटा सिंह भम्मीपुरा को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अतिरिक्त, हठूर, मल्ला, काऊंके, जगरांव शहर, सबअर्बन, गालिब कलां, मलक, गिद्दड़विंडी और कनीया समेत विभिन्न सर्कलों में युवा, महिला, एससी, बीसी, आईटी और किसान विंग के लिए नए प्रधान नियुक्त किए गए हैं।

पेज 12 स्वस्थ जीवन का फॉर्मूला: क्या खाएं, कितना चलें...

बीजेपी पंजाब में भी वही हासिल करना चाहती है जो उसने 2021 में बंगाल में किया था; नितिन नबीन का दौरा इसी मकसद से

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। विधानसभा चुनाव से करीब सात महीने पहले बीजेपी का अपने नेता नितिन नबीन को पंजाब भेजना एक बड़े राजनीतिक मकसद की ओर इशारा करता है: पंजाब में भी वही कामयाबी दोहराना जो उसने 2021 में पश्चिम बंगाल में हासिल की थी। वहां, सालों की लगातार संगठनात्मक विस्तार की कोशिशों ने पार्टी को एक छोटी ताकत से बदलकर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के मुख्य प्रतिद्वंद्वी के तौर पर खड़ा कर दिया था।

पश्चिम बंगाल में, बीजेपी ने 2016 में सिर्फ.तीन सीटों से अपनी विधानसभा सीटों की संख्या 2021 में 77 तक पहुँचाई। वह राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बनकर उभरी और लेफ्ट फ्रंट और कांग्रेस दोनों को राजनीतिक मुकाबले के केंद्र से हटा दिया। पार्टी की इस बढ़त के पीछे लगातार कार्यकर्ताओं को एकजुट करना, बूथ-स्तर पर मजबूती लाना, केंद्रीय नेतृत्व का जोरदार प्रचार और अपने समर्थन आधार को बढ़ाने के लिए 'सोशल इंजीनियरिंग' (सामाजिक समीकरण साधना) जैसे कदम थे। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बीजेपी पंजाब में भी इसी तरह की रणनीति अपनाना चाहती है। हालांकि राज्य में चुनावी तौर पर पार्टी अभी कमजोर है, लेकिन वह आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर, कांग्रेस के अंदरूनी संगठनात्मक कमजोरियों और शिरोमणि अकाली दल के घटते प्रभाव का फायदा उठाकर पंजाब की राजनीति में एक मुख्य ताकत के तौर पर अपनी जगह बनाना चाहती है।

नबीन, जो शनिवार को तीन दिन के दौरे पर पंजाब पहुँचे, उनसे उम्मीद है कि वे राज्य के नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें करेंगे। इन बैठकों का मकसद संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लेना और 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले कार्यकर्ताओं में जोश भरना होगा। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब बीजेपी ने साफ कर दिया है कि वह सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।

पंजाब बीजेपी अध्यक्ष के तौर पर केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति को भी इसी नजरिए से देखा जा रहा है। राज्य इकाई का प्रमुख किसी जाट सिख को बनाकर, बीजेपी को उम्मीद है कि वह अपने पारंपरिक शहरी हिंदू समर्थन आधार से आगे बढ़कर ग्रामीण पंजाब में भी पैठ बना पाएगी। ठीक वैसे ही जैसे उसने पश्चिम बंगाल में उन समुदायों को एकजुट करके अपना सामाजिक गठबंधन बढ़ाया था जिन्होंने पारंपरिक रूप से पार्टी का समर्थन नहीं किया था।

राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ के साथ, नवीन ने राज्य भर में कई धार्मिक, सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों में शामिल होने से पहले अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेककर अपनी यात्रा शुरू की। बीजेपी के लिए, हो सकता है कि 2027 में सरकार बनाना उसका तुरंत का लक्ष्य न हो। इसके बजाय, जैसा कि 2021 में पश्चिम बंगाल में हुआ था, पार्टी का मकसद पंजाब में खुद को मुख्य चुनौती देने वाली पार्टी के तौर पर स्थापित करना और इस प्रक्रिया में राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को बदलना लगता है।

80 करोड़ के गबन मामले में गिरफ्तार आईएएस राम कुमार सिंह की संपत्तियों पर भी उठे सवाल, पत्नी का करोड़ों का कारोबार

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/20 जून। नगर निगम से जुड़े बहुचर्चित वित्तीय अनियमितता मामले में सीबीआई की गिरफ्त में आए हरियाणा कैडर के 2012 बैच के आईएएस अधिकारी राम कुमार सिंह अब केवल कथित घोटाले ही नहीं, बल्कि अपनी घोषित संपत्तियों और पारिवारिक कारोबारी गतिविधियों को लेकर भी चर्चा में हैं। उनके द्वारा वर्ष 2025 में दाखिल संपत्ति विवरण में करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियों और पत्नी के व्यापक कारोबारी हितों का उल्लेख किया गया है।

दस्तावेजों के अनुसार राम कुमार सिंह के परिवार के पास कृषि भूमि, व्यावसायिक संपत्तियां और अन्य अचल परिसंपत्तियां हैं, जिनमें अधिकांश संपत्तियां हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के नाम दर्ज हैं। उपलब्ध विवरण के मुताबिक घोषित अचल संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 3.2 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि एचयूएफ के नाम दर्ज संपत्तियों का मूल्य लगभग 2.43 करोड़ रुपये बताया गया है। संपत्ति विवरण में कुरुक्षेत्र के पिपली क्षेत्र में स्थित एक रिहायशी-कम-दुकान का भी जिक्र है, जो उन्हें पारिवारिक उपहार के रूप में प्राप्त हुई थी। इन संपत्तियों से उन्हें प्रतिवर्ष करीब 19 लाख रुपये की आय होने की जानकारी दी गई है। दूसरी ओर उनकी पत्नी लंबे समय से निजी व्यवसाय से जुड़ी हुई हैं। दस्तावेजों में उल्लेख है कि वह पेट्रोल पंप, माइक्रो ब्रेवरी, रेस्टोरेंट, रेंटल प्रोजेक्ट्स तथा कृषि भूमि और संपत्तियों की खरीद-फरोख्त जैसे कारोबार संचालित करती हैं। हालांकि संपत्ति विवरण में पत्नी और पुत्रों की व्यक्तिगत संपत्तियों का विस्तृत मूल्यांकन शामिल नहीं किया गया है।

तीन दिन के सीबीआई रिमांड पर भेजे गए आरोपी

उधर, कथित 145 करोड़ रुपये के एफडी घोटाले की जांच के तहत गिरफ्तार राम कुमार सिंह और सह-आरोपी प्रिंस शर्मा को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया। अदालत ने दोनों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है ताकि मामले में आगे पूछताछ की जा सके। सीबीआई का आरोप है कि आयुक्त पद पर रहते हुए राम कुमार सिंह ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर एक नई बैंक शाखा में खाता खुलवाने और वहां 100 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी राशि स्थानांतरित करने की अनुमति दी। एजेंसी का दावा है कि यह प्रक्रिया वित्तीय नियमों के विपरीत थी और इसके बदले उन्हें कथित रूप से अनुचित लाभ प्राप्त हुआ। जांच में कई ऐसे चेक सामने आए हैं जिन पर उनके हस्ताक्षर होने का दावा किया गया है। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि सह-आरोपी प्रिंस शर्मा की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। बैंक खातों से जुड़े दस्तावेजों में उनका मोबाइल नंबर दर्ज मिला है। हालांकि वह संबंधित विभागों में प्रत्यक्ष रूप से तैनात नहीं थे, फिर भी बैंकिंग प्रक्रियाओं और सत्यापन कॉल्स में उनकी भागीदारी सामने आई है। सीबीआई के अनुसार मामला बहुस्तरीय वित्तीय धोखाधड़ी, फर्जी बैंकिंग प्रक्रियाओं और कथित शेल कंपनियों के इस्तेमाल से जुड़ा हो सकता है।

सीईटी ग्रुप-डी में युवाओं का उत्साह जारी, 77,735 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण : हिम्मत सिंह

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (HSSC) के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने बताया कि सीईटी ग्रुप-डी परीक्षा को लेकर युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक 77,735 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जबकि 26,041 अभ्यर्थियों ने अपना आवेदन अंतिम रूप से जमा कर दिया है। बड़ी संख्या में उम्मीदवार लगातार आवेदन प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित है। आयोग द्वारा सभी जानकारी केवल आधिकारिक माध्यमों से ही जारी की जा रही है, इसलिए अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक संदेश, फर्जी कॉल या सोशल मीडिया पर फैल रही अपुष्ट जानकारी पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

अफवाहों से दूर रहें, केवल आधिकारिक जानकारी पर करें भरोसा : आयोग

आवेदन में सावधानी बरतने की अपील

उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे अपना आवेदन स्वयं सावधानीपूर्वक भरें और सभी जानकारियों की अच्छी तरह जांच करने के बाद ही अंतिम रूप से सबमिट करें। आवेदन में दी गई श्रेणी, प्रमाण-पत्र और अन्य विवरण सही व अद्यतन होने चाहिए, क्योंकि किसी भी प्रकार की गलती भविष्य में अभ्यर्थिता को प्रभावित कर सकती है।

प्रमाण-पत्रों की वैधता निर्धारित

आयोग ने विभिन्न श्रेणियों के प्रमाण-पत्रों की वैधता और जारी करने की अवधि भी स्पष्ट की है। इनमें अधिवास प्रमाण-पत्र, डीएससी/ओएससी, बीसीए/बीसीबी/ईडब्ल्यूएस, भूतपूर्व सैनिक एवं दिव्यांगजन प्रमाण-पत्र तथा उत्कृष्ट खिलाड़ी (ESP) प्रमाण-पत्र शामिल हैं। सभी प्रमाण-पत्र निर्धारित तिथियों के अनुसार ही मान्य होंगे।

ग्रुप-सी अभ्यर्थियों को राहत

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों ने पहले से सीईटी ग्रुप-सी 2025 के लिए आवेदन किया है, उन्हें ग्रुप-डी के लिए दोबारा आवेदन शुल्क नहीं देना होगा। वे अपने पुराने पंजीकरण नंबर और पासवर्ड का उपयोग कर आवेदन कर सकते हैं। यदि आवश्यक हो तो श्रेणी एवं अन्य विवरणों में संशोधन भी किया जा सकता है। आयोग ने चेतावनी दी है कि एक से अधिक पंजीकरण पाए जाने पर अभ्यर्थिता रद्द की जा सकती है और संबंधित अभ्यर्थी भविष्य की परीक्षाओं से भी वंचित हो सकते हैं।

हेल्पलाइन सुविधा उपलब्ध

अभ्यर्थियों की सहायता के लिए आयोग ने हेल्पलाइन नंबर 9063493990 जारी किया है, जो प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक उपलब्ध रहेगा। किसी भी जानकारी या समस्या के लिए उम्मीदवार इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। आयोग ने अंत में एक बार फिर स्पष्ट किया कि पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और मेरिट आधारित तरीके से संचालित की जा रही है।

गांव खानपुर में सड़क के बीच खड़े गंदे पानी से परेशान मोहल्लेवासियों ने प्रदर्शन किया

हुशियारपुर/यूटर्न/20 जून। गांव खानपुर में गलियों में खड़े गंदे पानी से परेशान मोहल्ले के लोगों ने झोना उठाकर पंजाब सरकार, बी.डी.पी.ओ. तथा पंचायत के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। गाँव के निवासी सोहन सिंह, जसपाल सिंह पाला, गुरमीत कौर, सत्येश कुमार बांसल, रजिन्दर बांसल, अमनदीप सिंह, कुंदनवीर, रीना शर्मा, अनीता रानी और बलविंदर कौर ने बताया कि पंचायत द्वारा गंदा पानी न निकालने के कारण घरों और वर्षा के पानी का जल गाँव की मुख्य गली में ठहरा रहता है और वह तालाब जैसा रूप धारण करने लगा है।

मनीमाजरा वार्ड नंबर-5 में कांग्रेस को मिली बड़ी मजबूती, समाजसेवी प्रदीप गौतम सैकड़ों समर्थकों सहित कांग्रेस परिवार में शामिल

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी को आज उस समय बड़ी मजबूती मिली जब मनीमाजरा वार्ड नंबर-5 से समाजसेवी प्रदीप गौतम अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच कांग्रेस भवन, सेक्टर-35 चंडीगढ़ पहुंचे और कांग्रेस पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए तथा पार्टी नेतृत्व व हाईकमान प्रदेशाध्यक्ष एच.एस लक्की व सांसद मनीष तिवारी तथा पार्टी हाईकमान में अपनी आस्था जताई तथा कांग्रेस की निती में अपना विश्वास व्यक्त किया। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लक्की ने पंडित प्रदीप गौतम का पार्टी प्रतीक चिन्ह, कांग्रेस का पटका और फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया तथा उन्हें कांग्रेस परिवार का हिस्सा बनाया। उनके साथ आए बड़ी संख्या में सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों और कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। प्रदेश अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने सभी नए साथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा उन लोगों को सम्मान देती है जो समाज की सेवा और जनता के अधिकारों के लिए लगातार कार्य करते हैं।

रूह से रूबरू

चारु नागपाल

ऐसा लगता है कि अब नशे के मामले में हम भी डाउनटाउन का मुकाबला करने लगे हैं।

कनाडा के बैंकूवर शहर का डाउनटाउन इलाका कभी खुलेआम बिकने वाले नशे और अपराध के कारण बदनाम माना जाता था। आज चिंता की बात यह है कि पंजाब के कई हिस्सों में भी कुछ वैसी ही स्थिति देखने को मिल रही है। नशीले पदार्थों का बढ़ता कारोबार युवाओं के भविष्य पर गहरा असर डाल रहा है। कई नौजवान, जो देश और समाज की ताकत बनने चाहिए, नशे की गिरफ्त में आकर अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और सपनों को खो रहे हैं।

नशे की लत केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं और समाज में अपराध तथा बेरोजगारी जैसी समस्याएँ भी बढ़ रही हैं। यदि समय रहते इस समस्या पर सख्ती से नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। सरकार, प्रशासन, सामाजिक संगठनों और परिवारों को मिलकर इस बुराई के खिलाफ अभियान चलाना होगा। युवाओं को खेल, शिक्षा और रोजगार के अवसरों से जोड़ना आवश्यक है। नशामुक्त समाज ही एक मजबूत और खुशहाल पंजाब की नींव रख सकता है। आखिर हमारी युवा पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

क्या पत्नी को पति की Pension में अधिकार मिलता है?

पारिवारिक विवादों और उत्तराधिकार के मामलों में अक्सर यह प्रश्न उठता है कि क्या पत्नी को पति की Pension पर अधिकार प्राप्त होता है।

इसका उत्तर परिस्थितियों पर निर्भर करता है। यदि पति सरकारी कर्मचारी या ऐसे संस्थान में कार्यरत था जहां Family Pension का प्रावधान है, तो उसकी मृत्यु के बाद पत्नी Family Pensionकी हकदार हो सकती है। लेकिन यदि पति-पत्नी का तलाक हो चुका है, तो स्थिति अलग हो सकती है। सामान्यत: Divorce के बाद पूर्व पत्नी (Ex-Wife) को Family Pension का अधिकार नहीं मिलता, जब तक कि किसी विशेष नियम या न्यायालय के आदेश में कुछ और न कहा गया हो।

यह भी महत्वपूर्ण है कि Pensionऔर Family Pension अलग-अलग अवधारणाएं हैं। कर्मचारी को सेवा के दौरान या सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली Pension और मृत्यु के बाद परिवार को मिलने वाली Family Pension के नियम अलग हो सकते हैं। कई मामलों में Nomination, Service Rules, Marriage Status जैसे दस्तावेज महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लोग अक्सर Pension और, Gratuity, PF और Insurance Benefits को एक ही समझ लेते हैं, जबकि इन सभी के नियम अलग-अलग होते हैं। इसी कारण किसी भी Pension संबंधी विवाद में संबंधित सेवा नियमों (Service Rules) और तथ्यों को ध्यान से देखना आवश्यक होता है।

निष्कर्ष: पत्नी को कुछ परिस्थितियों में Family Pension का अधिकार मिल सकता है, लेकिन यह विवाह की स्थिति, सेवा नियमों और अन्य कानूनी तथ्यों पर निर्भर करता है। Pension संबंधी मामलों में प्रत्येक मामले का अलग-अलग मूल्यांकन आवश्यक है।

3,000 करोड़ से ज्यादा के GST घोटाले पर बड़ा खुलासा, ED रिपोर्ट के बाद पंजाब पुलिस का एक्शन

लुधियाना। पंजाब के औद्योगिक शहर मंडी गोबिंदगढ़ से जुड़े कथित 3,089 करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय घोटाले में अब बड़ा पुलिस एक्शन देखने को मिला है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जांच रिपोर्ट के आधार पर लुधियाना पुलिस ने धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है।

ED जांच में सामने आया बड़ा वित्तीय नेटवर्क

जांच के दौरान पता चला कि कई कंपनियां एक ही पते, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के जरिए संचालित की जा रही थीं। आरोप है कि इन्हीं कंपनियों के माध्यम से फर्जी GST बिलिंग कर बड़ी रकम का लेनदेन किया गया।

3,089 करोड़ रुपये के संदिग्ध ट्रांजैक्शन की जांच

जांच एजेंसियों के अनुसार करीब 3,089.57 करोड़ रुपये का लेनदेन APMC के बैंक खातों और IDFC First Bank की विभिन्न शाखाओं के जरिए किया गया। इसके अलावा अन्य बैंक खातों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

27 फर्जी कंपनियां बनाकर किया गया खेल

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने कथित तौर पर 27 फर्जी फर्में तैयार कीं। इन कंपनियों का इस्तेमाल फर्जी GST इनवॉइस बनाने और इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) हासिल करने के लिए किया गया।

सरकारी खजाने को करोड़ों का नुकसान

अधिकारियों के मुताबिक इस नेटवर्क के जरिए करीब 108 करोड़ रुपये से अधिक का फर्जी ITC तैयार किया गया। इससे सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है।

इन कारोबारियों पर दर्ज हुआ मामला

पुलिस ने इस मामले में अमित कुमार गोयल, मनीष कुमार, गौरव अग्रवाल, बलवंत सिंह और गुरदीप सिंह को नामजद किया है। इनमें अधिकांश आरोपी मंडी गोबिंदगढ़ और फतेहगढ़ साहिब क्षेत्र से जुड़े बताए गए हैं।

छापेमारी में मिले कई अहम सबूत

पहले की जांच कार्रवाई के दौरान एजेंसियों ने कई चेकबुक, ATM कार्ड, मोबाइल फोन, लैपटॉप, हार्ड डिस्क और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए थे। डिजिटल रिकॉर्ड की जांच के बाद पूरे नेटवर्क की परतें खुलनी शुरू हुई।

पंजाब मिशन पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन, तीन दिवसीय दौरे में संगठन और चुनावी रणनीति पर रहेगा फोकस

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। पंजाब में 2027 विधानसभा चुनावों की तैयारियों को गति देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन शनिवार से पंजाब के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। पार्टी नेतृत्व इस दौरे को संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने और आगामी चुनावी रणनीति को धार देने के लिहाज से महत्वपूर्ण मान रहा है। पंजाब रवाना होने से पहले दिल्ली में नितिन नबीन ने वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ बैठक कर राज्य की राजनीतिक स्थिति और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान तरुण चुघ और रवनीत सिंह बिट्टू समेत अन्य नेताओं से भी चर्चा हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने और राज्य के प्रमुख मुद्दों पर पार्टी की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया। भाजपा अध्यक्ष नबीन ने कहा कि पार्टी पंजाब के विकास और सुशासन के एजेंडे को लेकर प्रतिबद्ध है तथा लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं को संगठनात्मक मजबूती और जनाधार विस्तार पर विशेष ध्यान देने का संदेश दिया।

धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भी लेंगे हिस्सा...दौरे के पहले दिन नितिन नबीन अमृतसर पहुंचकर श्री हरमन्दिर साहिब में मत्था टेकेंगे। इसके अलावा वे जल्लीअनवाला बाघ स्मारक, दुर्गिअना टेम्पल और राम तीरथ टेम्पल में भी दर्शन करेंगे। राजनीतिक जानकार इसे विभिन्न वर्गों और समुदायों के साथ संवाद स्थापित करने की भाजपा की कोशिश के रूप में देख रहे हैं।

योग दिवस से उद्योग जगत तक संवाद...21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वे लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद लुधियाना में भाजपा के नए जिला कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे और संगठनात्मक बैठकों को संबोधित करेंगे। भाजपा अध्यक्ष उद्योगपतियों, व्यापारिक संगठनों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे। पार्टी का उद्देश्य जमीनी स्तर पर लोगों की अपेक्षाओं और चुनौतियों को समझकर भविष्य की नीतियों को अधिक प्रभावी बनाना बताया जा रहा है।

5 से 7 जुलाई तक LWMA विंटर परिधान प्रदर्शनी, 100 से अधिक निमार्ता लेंगे भाग

क्वालिटी और नए डिजाइन पर रहेगा फोकस, देशभर से खरीदारों के पहुंचने की उम्मीद

लुधियाना/यूटर्न/20 जून। विंटर परिधानों की बुकिंग को लेकर लुधियाना वूलन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन की ओर से वार्षिक छहटअ विंटर प्रदर्शनी का आयोजन 5 से 7 जुलाई तक होटल हयात में किया जाएगा। प्रदर्शनी में 100 से अधिक प्रतिभागी अपने विंटर कलेक्शन के साथ हिस्सा लेंगे। इस दौरान देशभर से आने वाले व्यापारी और खरीदार आगामी सीजन के लिए विंटर परिधानों की बुकिंग करेंगे। एसोसिएशन के प्रधान दर्शन डाबर और महासचिव संदीप धीर ने बताया कि कई वर्षों से लगातार आयोजित हो रही इस प्रदर्शनी ने लुधियाना के वूलन उद्योग को नई पहचान दी है। हर साल प्रदर्शनी में अनुभव, डिजाइन और क्वालिटी का स्तर बेहतर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उपभोक्ता क्वालिटी को लेकर पहले से ज्यादा सजग है, इसलिए संस्था अब प्रतिभागियों की संख्या से अधिक उत्पादों की गुणवत्ता और नए

ट्रेंड पर फोकस कर रही है। उन्होंने कहा कि इस वार्षिक विंटर शो के माध्यम से लुधियाना वूलन मैन्युफैक्चरर्स के उत्पादों में बड़े स्तर पर सुधार देखने को मिल रहे है। प्रदर्शनी से न केवल निमार्ताओं को नए बाजार मिलते हैं, बल्कि देशभर के खरीदारों को एक ही मंच पर लुधियाना की बेहतरीन वूलन रेंज देखने का अवसर मिलता है। प्रदर्शनी के प्रवक्ता अशोक समां ने बताया कि इस बार प्री-एग्जीबिशन मीटिंग्स में गद्दीदारों और एजेंटों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि आगामी विंटर शो में विजिटरों की भारी संख्या पहुंचेगी। प्रदर्शनी में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू, दिल्ली, ओडिशा, बेंगलुरु, झारखंड और हैदराबाद सहित कई राज्यों से खरीदारों के आने की उम्मीद है। प्रदर्शनी में कुर्ती, स्वेटर, स्वेटशर्ट, जैकेट, कोट सेट, कार्डिगन और अन्य विंटर परिधानों की विस्तृत रेंज डिस्प्ले की जाएगी। आयोजकों का कहना है कि यह प्रदर्शनी लुधियाना के वूलन उद्योग को राष्ट्रीय बाजार में और मजबूत पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगी।

जम्मू के सीमावर्ती इलाके में तीसरा सिलाई केंद्र खोलने जा रहे हैं महिला शाखा एवं संस्थान नीलम जैन, राकेश जैन

लुधियाना/यूटर्न/20 जून। महिला शाखा भगवान महावीर सेवा सोसाइटी एवं भगवान महावीर सेवा संस्थान की ओर से, जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाली जरूरतमंद बहनों के लिए तीसरा सिलाई केंद्र खोला जा रहा है आज इसी संदर्भ में एक कार्यक्रम का आयोजन महिला शाखा अध्यक्ष नीलम जैन (कंगारू इंडस्ट्री लिमिटेड) की अध्यक्षता में जैन स्थानक, सिविल लाइन में आयोजित किया गया, महिला शाखा महामंत्री ऋचा जैन ने बताया महिला शाखा का एक ही मकसद है की हर महिला बने सशक्त भारत का हिस्सा, उसी के अंतर्गत इस तरह के सिलाई के अंदर खोले जा रहे हैं, प्रोजेक्ट के कोऑर्डिनेटर राकेश जैन अध्यक्ष भगवान महावीर सेवा संस्थान ने बताया आज जहां पर सहयोग की आवश्यकता है वहां पर सहयोग जरूरी है लेकिन अति जरूरी है की हर परिवार हर महिला अपने पैरों के ऊपर खड़ी हो, उसी के अंतर्गत देश के किसी कोने में ऐसे सिलाई केंद्र की जरूरत हो वह संस्था के रूल एंड रेगुलेशन के अंतर्गत खोले जा रहे हैं, यह केंद्र जम्मू कश्मीर के सेवी अनिल कुमार, (सचिन भ्रष्टाचार विरोधी संस्था जम्मू और कश्मीर एन सी पी सी भारत) सुभाष चंद्र पूर्व सरपंच, मेंबर कबीर भवन कमेटी, एवं सिलाई केंद्र की इंचार्ज तान्या देवी की देखरेख में यह सेंटर चलाया जाएगा, इस केंद्र को मशीनों के अलावा जितना भी सिलाई मशीन से संबंधित समान या एसेसरी होती है वह भी दी गई, इस केंद्र का बाकी सैंटरो की तरह रोजाना अपडेट लिया जाएगा, और ट्रेंड होने के उपरांत होने सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा, ऐसे सेवा के प्रोजेक्ट में कंगारू इंडस्ट्री लिमिटेड का विशेष सहयोग है, आज इस मौके पर लुधियाना की प्रसिद्ध समाज सेवी संस्था आचार्य श्री आत्माराम जैन सेवा संघ के प्रधान कीमती लाल जैन, एस एस जैन सभा के सिविल लाइन के महामंत्री प्रमोद जैन, महिला शाखा अध्यक्ष नीलम जैन, महामंत्री ऋचा जैन, सह कोषाध्यक्ष, रमा जैन, भगवान महावीर सेवा संस्थान के अध्यक्ष राकेश जैन, उपाध्यक्ष राजेश जैन एवं वरुण चोपड़ा (विजय प्रोडक्ट इंडिया) भी उपस्थित थे।

मानसून से पहले नगर निगम अलर्ट, कमिश्नर ने बुड्ढा दरिया की सफाई का लिया जायजा

लुधियाना/यूटर्न/20 जून। मानसून सीजन को देखते हुए नगर निगम ने शहर में जलभराव से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने बुड्ढा दरिया और आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर सफाई कार्यों तथा चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान ओएंडएम सेल के अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे। कमिश्नर ने बुड्ढा दरिया की सफाई, रिटेनिंग वॉल और पुलियों के निर्माण कार्यों का मौके पर जायजा लिया और अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर एकजोत सिंह, नोडल अधिकारी रणदीप संधीला, एसडीओ अर्जुन सिक्का सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कमिश्नर ने हैबोवाल डेयरी कॉम्प्लेक्स और एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शहर से गुजरने वाले बुड्ढा दरिया के अधिकांश हिस्से की सफाई पूरी कर ली गई है। मानसून के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए दरिया किनारे मशीनरी और स्टाफ तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य सीवर लाइनों की सुपर सक्शन मशीनों से सफाई करवाई जा रही है, जबकि निचले इलाकों की पहचान कर जलभराव रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज पहुंचेंगे लुधियाना, प्रथम लुधियाना दौरे को लेकर तैयारियां मुकम्मल

दिनेश मौदगिल

लुधियाना/यूटर्न/20 जून। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के 21 व 22 जून को पहली बार लुधियाना आगमन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उनके स्वागत को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। भाजपा प्रदेश महामंत्री अनिल सरीन व जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रथम लुधियाना दौरे को सफल बनाने के लिए पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पिछले कई दिनों से तैयारियों में जुटे हुए हैं। शहर के विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार, होर्डिंग्स और बैनर लगाए गए हैं तथा कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक उपस्थित रहेंगे। यह दौरा संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा तथा कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगा। धीमान ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि लुधियाना का यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से ऐतिहासिक सिद्ध होगा और पार्टी को आगामी समय में और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

रोजी-रोटी की राह में हादसा: कूड़ा कलेक्शन करने जा रहे दंपती को कैंटर ने मारी टक्कर

जीरकपुर/यूटर्न/20 जून। रोजाना लोगों के घरों से कूड़ा एकत्र कर शहर को साफ रखने वाले एक दंपती की शनिवार सुबह सड़क हादसे में जिंदगी ही पटरी से उतर गई। ढकोली क्षेत्र में हुए इस दर्दनाक हादसे में ई-रिक्शा सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों अपने रोजमर्रा के काम पर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में एक कैंटर से हुई टक्कर ने उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया। जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय बनी अपनी पत्नी तनु के साथ शनिवार सुबह करीब नौ बजे रामगढ़ से ढकोली की ओर ई-रिक्शा में आ रहा था। दोनों ढकोली क्षेत्र में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का काम करते हैं और रोज की तरह अपने कार्यस्थल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक कैंटर और ई-रिक्शा के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और दोनों पति-पत्नी सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मानवता दिखाते हुए घायलों को संभाला और एंबुलेंस तथा अन्य साधनों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। ढकोली के एक अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें सेक्टर-32 स्थित सरकारी अस्पताल, चंडीगढ़ रेफर कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही उनके परिचितों और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल बन गया।

शहर को साफ रखने निकले, खुद अस्पताल पहुंच गए

बनी और तनु उन सैकड़ों सफाई कर्मियों में शामिल हैं जो रोजाना सुबह घरों से कूड़ा एकत्र कर शहर की सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में योगदान देते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि समाज के लिए जरूरी सेवाएं देने वाले ऐसे श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, जबकि सड़क सुरक्षा को लेकर अभी भी कई कमियां बनी हुई हैं। उनका मानना है कि सुबह के समय काम पर जाने वाले मजदूर, सफाई कर्मचारी और अन्य श्रमिक वर्ग सबसे ज्यादा जोखिम का सामना करते हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। कैंटर चालक की भूमिका, वाहन की गति और हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जाएगी ताकि दुर्घटना की वास्तविक वजह सामने आ सके।

गोल्डी ढिल्लों गैंग के तीन गुर्गे चंडीगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़े, विदेशी हथियार बरामद

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। चंडीगढ़ पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। ऑपरेशन सेल और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने गैंग से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से विदेशी निर्मित अत्याधुनिक हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हैप्पी चिब, राहुल कुमार और वंश शर्मा के रूप में हुई है। तीनों आरोपी जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के रहने वाले हैं और इनके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गोल्डी ढिल्लों गैंग के तीन सदस्य हथियारों से लैस होकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए मुल्लांपुर क्षेत्र से चंडीगढ़ में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना के आधार पर ऑपरेशन सेल और क्राइम ब्रांच की टीम ने जाल बिछाया और पीछा कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक विदेशी निर्मित सी-47 पिस्टल, एक .32 बोर पिस्टल और नौ जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना क्राइम ब्रांच में आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

जंकी हत्याकांड के आरोपियों के करीबी निकले आरोपी

पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपी एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स के जरिए गोल्डी ढिल्लों के संपर्क में थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि ये सभी सेक्टर-11 स्थित श्री कुमार मेडिकल हॉल के कैशियर जंकी दास हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपियों के करीबी सहयोगी हैं।

संयुक्त रूप से प्रोफेशनल न्यूज स्टाइल में: अमृतसर में भाजपा का धार्मिक और राजनीतिक संदेश, नितिन नबीन ने गोल्डन टेंपल में की सेवा

दुग्यार्णा मंदिर में माथा टेका, जलियांवाला बाग में शहीदों को श्रद्धांजलि; तरुण चुग ने AAP सरकार को घेरा

अमृतसर/यूटर्न/20 जून। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नबीन शुक्रवार को अमृतसर पहुंचे। उन्होंने केसरी पगड़ी बांधकर सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब में माथा टेका और गुरु घर में श्रद्धा भाव से जूठे बर्तन मांजकर सेवा की। इस दौरान उन्होंने सरबत के भले की अरदास भी की। उनके साथ भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री हरिमंदिर साहिब में नतमस्तक होने के बाद नितिन नबीन दुर्ग्याणा मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने माथा टेककर पंजाब की सुख-शांति और खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने ऐतिहासिक जलियांवाला बाग में देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि अमृतसर की धरती सेवा, बलिदान और आस्था की प्रतीक है। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुग ने आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला। चुग ने कहा कि केजरीवाल और भगवंत मान की जोड़ी पंजाब के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक धरने कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब नशे, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और आर्थिक संकट से जूझ रहा है, लेकिन सरकार जनता को जवाब देने के बजाय विवादों से बचने की कोशिश कर रही है।

चंडीगढ़ में मनाया गया पीएम-किसान उत्सव दिवस, किसानों को दी गई टिकाऊ खेती और सरकारी योजनाओं की जानकारी

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। कृषि विभाग, यूटी चंडीगढ़ ने पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग के सहयोग से शनिवार को पीएम-किसान उत्सव दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी होने के अवसर पर शहर के तीन प्रमुख केंद्रों—धनास, मनीमाजरा और हल्लोमाजरा स्थित सरकारी पशु चिकित्सालयों में एक साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पीएम-किसान उत्सव दिवस का आयोजन करना तथा प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के माध्यम से किसानों को योजना की 23वीं किस्त जारी होने की प्रक्रिया से जोड़ना था। किसानों ने लाइव वेबकास्ट के जरिए प्रधानमंत्री का संबोधन सुना और योजना से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को पीएम-किसान योजना से संबंधित विभिन्न सेवाओं के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम स्थल पर लाभार्थियों के सत्यापन, ई-केवाईसी, रिकॉर्ड में सुधार, शिकायतों के निवारण तथा नए पात्र किसानों के पंजीकरण में सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा किसानों को अतिरिक्त आय बढ़ाने के लिए उपलब्ध सुविधाओं, योजनाओं और संसाधनों की जानकारी दी गई।

सवालों के घेरे में लूट की कहानी, पुलिस बोली- शिकायत की हर पहलू से हो रही जांच

घटना तड़के चार बजे होने का दावा, घटना तड़के चार बजे होने का दावा

डेराबस्सी/यूटर्न/20 जून। डेराबस्सी के त्रिवेदी कैंप क्षेत्र में पिकअप चालक से चाकू की नोक पर डेढ़ लाख रुपये लूटे जाने की शिकायत ने पुलिस और स्थानीय लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। हालांकि इस मामले में पुलिस ने शुरूआती जांच के दौरान शिकायत पर ही सवाल उठाए हैं और पूरे घटनाक्रम की गहनता से पड़ताल की जा रही है। जानकारी के अनुसार संगरूर निवासी अभिषेक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 18 जून की सुबह करीब चार बजे महिंद्रा पिकअप वाहन में सामान की डिलीवरी कर वापस लौट रहा था। उसके पास सामान की बिक्री से प्राप्त करीब 1.54 लाख रुपये मौजूद थे। आरोप है कि त्रिवेदी कैंप के पास चार युवकों ने उसकी गाड़ी को घेर लिया और पहले पत्थरों से हमला किया।

पीड़ित के अनुसार उसने खुद को वाहन के अंदर बंद कर लिया, लेकिन हमलावरों ने कुल्हाड़ी से गाड़ी का साइड शीशा तोड़ दिया।

इसके बाद चाकू दिखाकर उसे डराया गया और वाहन में रखी नकदी लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस चौकी मुबारिकपुर की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा घटनास्थल से जुड़े अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं।

मामले का सबसे अहम पहलू यह है कि पुलिस ने शिकायत की सत्यता को लेकर भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल, समय, परिस्थितियों और शिकायत में बताए गए तथ्यों का मिलान किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस का मानना है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं की जांच जरूरी है। इसी कारण शिकायतकर्ता के बयान के अलावा तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है।

> *हमें शिकायत प्राप्त हुई है, लेकिन प्रारंभिक जांच में शिकायत में बताए गए कुछ तथ्यों को लेकर संदेह उत्पन्न हुआ है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।*
>
> *— कुलवंत सिंह, चौकी इंचार्ज मुबारिकपुर*

लालडू में विधायक रंधावा की जन मिलनी, वार्डों की समस्याएं सुनीं

लालडू/यूटर्न/20 जून। डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने 'पंजाब का एक ही नारा, भगवंत मान दोबारा' अभियान के तहत लालडू के वार्ड नंबर 3, 4 और 5 में जन मिलनी कार्यक्रम किए। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने भाग लिया और अपने-अपने वार्डों से जुड़ी समस्याएं विधायक के सामने रखीं। कार्यक्रमों के दौरान लोगों ने गलियों, सफाई व्यवस्था, पानी, सीवरेज और अन्य स्थानीय मुद्दों को उठाया। विधायक रंधावा ने लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर हल करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि आम लोगों तक योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचे और क्षेत्र में विकास कार्य लगातार जारी रहें।

रंधावा ने कहा कि पंजाब में पिछले चार वर्षों में जनहित से जुड़े कई कार्य हुए हैं। लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं में राहत मिली है। उन्होंने कहा कि अब लोग केवल वादों की राजनीति नहीं, बल्कि काम की राजनीति को समर्थन दे रहे हैं। इस दौरान वार्ड निवासियों ने पंजाब सरकार की नीतियों पर भरोसा जताया और कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंच रहा है। कार्यक्रमों में 'पंजाब का एक ही नारा, भगवंत मान दोबारा' के नारे भी लगाए गए। इस अवसर पर एमसी नरेश कुमारी, भूपिंदर सिंह, अमन राणा, प्रमोद राणा सहित अन्य पार्षद और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिंक सिटी सोसाइटी में चोरी की वारदातों से दहशत, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/20 जून। जीरकपुर के पीरमुछल्ला स्थित पिंक सिटी सोसाइटी में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक सप्ताह के दौरान सोसाइटी में बैटरी चोरी समेत कई वारदातें सामने आने के बाद लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। निवासियों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

सोसाइटी निवासी रावल किशोर, अजय बंसल, नवनीत गुप्ता, प्रदीप सोनी, रमेश भट्ट, विनोद धीमान, कपिल मित्तल, वरुण शर्मा, परी, ज्योति शर्मा और कौशल्या देवी ने बताया कि चोर दिनदहाड़े खड़ी कारों की बैटरियां चोरी कर रहे हैं।

वहीं एक अन्य घटना में चोर चौथी मंजिल तक पहुंच गए और घर के बाहर रखी इनवर्टर की बैटरी उठाकर फरार हो गए। लगातार हो रही घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। निवासियों के अनुसार चोरी

की कई घटनाओं की शिकायत पुलिस को दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। लोगों का कहना है कि इलाके में नियमित पुलिस गश्त नहीं होने से असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं और वे बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों में एक चोरी की घटना कैद भी हुई है। फुटेज में एक व्यक्ति बैटरी लेकर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके बावजूद आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में रोष है।

> **सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध**
>
> सोसाइटी में हुई एक चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। फुटेज में एक व्यक्ति बैटरी लेकर जाता दिखाई दे रहा है। निवासियों का कहना है कि पुलिस को फुटेज उपलब्ध करा दी गई है और अब जल्द कार्रवाई की उम्मीद है।

महिलाओं ने भी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि दिन के समय कई घरों में महिलाएं और बच्चे अकेले रहते हैं। ऐसे में लगातार हो रही चोरी की घटनाएं किसी बड़ी वारदात की आशंका को जन्म दे रही हैं।

निवासियों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों की नियमित जांच करने और चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र में अपराध की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

अवैध हथियारों के साथ दो काबू, बड़ी वारदात टली

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/20/जून। लुधियाना देहाती पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना सदर जगरांव की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी के दौरान अवैध हथियारों के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, अरकबलविंदर सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि निम्नलिखित दो व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। मुखबिर ने बताया कि उक्त आरोपी बिना नंबर की एक काली क्रेटा कार में सवार होकर गाँव बरशाल से गाँव धौंसा की ओर आ रहे हैं। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गाँव धौंसा की ओर जाने वाली सड़क पर पुल के पास विशेष नाकाबंदी कर आरोपी रंजीत सिंह उर्फ संदीप उर्फ सीपू, पुत्र सुरिंदर सिंह, निवासी गाँव मधेपुर और मनमोहन सिंह उर्फ मोहना, पुत्र सुरजीत सिंह, निवासी गाँव अक्कुवल की तलाशी ली गई तो उनके पास से 32 बोर की पिस्तौल (देसी) मय मैगजीन और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और बिना कागजात वाली काली क्रेटा कार को भी कब्जे में ले लिया है।

राम मंदिर दान रिकॉर्ड से 60 किलो चांदी गायब, जांच एजेंसियां अलर्ट

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। अयोध्या में राम मंदिर में दान और कीमती सामान के कथित गबन की जांच के बीच, यह पता चला है कि मंदिर के कलेक्शन रिकॉर्ड से 60 किलो चांदी की ईंटें गायब हैं, जिससे चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर रहस्य और गहरा गया है। बताया जाता है कि 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के दौरान राम लला को चांदी की ये ईंटें भेंट की गई थीं और इन्हें मंदिर की नींव में रखा जाना था।

पिछले छह दिनों से, स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) दस्तावेज इकट्ठा करने और चांदी की ईंटों की मौजूदा स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, अधिकारी अभी तक चढ़ावे का कोई स्पष्ट सुराग नहीं ढूंढ पाए हैं और न ही यह पता लगा पाए हैं कि उनका क्या हुआ। सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ता चांदी की ईंटों की प्राप्ति, भंडारण या इस्तेमाल का विवरण देने वाले रिकॉर्ड का पता लगाने में असमर्थ रहे हैं।

ज्वेलर्स एसोसिएशन, जिसने चांदी दान की थी, का कहना है कि उसके पास श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को ईंटें सौंपने की पुष्टि करने वाली रसीद मौजूद है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग रस्तोगी ने कहा कि देश भर के ज्वैलर्स के योगदान से 60 किलो चांदी की ईंटें तैयार की गई थीं और मंदिर को दान की गई थीं। रस्तोगी के अनुसार, नींव रखने की रस्मों या बाद के निर्माण कार्य के दौरान ये ईंटें नहीं देखी गई और बाद में गायब हो गई।

SIT अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चांदी की ईंटें कहां हैं और क्या उन्हें आधिकारिक इन्वेंट्री में दर्ज किया गया था। तीन सदस्यीय SIT टीम, जिसमें लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत, इंस्पेक्टर जनरल किरण एस और स्पेशल सेक्रेटरी नील रतन कुमार शामिल हैं, ने हाल ही में मामले की समीक्षा की और दान व कीमती सामान के प्रबंधन से जुड़ी घटनाओं के क्रम की जांच की। उन्होंने पुजारियों और चढ़ावा लेने व सुरक्षित रखने में शामिल अन्य लोगों से भी विवरण मांगा है। टीम भक्तों द्वारा दान की गई कीमती वस्तुओं को इकट्ठा करने, संरक्षित करने और उनका दस्तावेजीकरण करने की प्रक्रियाओं की जांच कर रही है। यह जांच उन आरोपों के कारण शुरू हुई है जिनमें कहा गया है कि मंदिर में चढ़ाए गए सोने, चांदी और हीरे के गहनों को नकली वस्तुओं से बदल दिया गया था और मंदिर के कलेक्शन से नकद दान का गबन किया गया था। यह विवाद 7 जून को तब शुरू हुआ

जब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मंदिर से करोड़ों रुपये का दान गायब है। उन्होंने अदालतों से इस मामले का संज्ञान लेने का आग्रह किया। मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर, उत्तर प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को तीन सदस्यीय SIT का गठन किया।

सीआईसीयू का 15वां निर्यात प्रशिक्षण बैच सम्पन्न, प्रतिभागियों को मिले प्रमाणपत्र

निर्यात के नए अवसरों की दी जानकारी, युवाओं को वैश्विक बाजार से जुड़ने का आह्वान

लुधियाना/यूटर्न/20 जून। चैंबर ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल अंडरटेकिंग्स (CICU) द्वारा आयोजित निर्यात प्रशिक्षण कार्यक्रम का 15वां बैच सफलतापूर्वक पूरा हो गया। समापन अवसर पर सीआईसीयू फोकल प्वाइंट कॉम्प्लेक्स में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सीआईसीयू के अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि निर्यात आज उद्योग और अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। उन्होंने युवाओं और

उद्यमियों से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसर तलाशने की अपील की।

इस अवसर पर महासचिव हनी सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे.एस. भोगल और निर्यात समिति के सह-संयोजक सरवजीत सिंह ने भी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया और निर्यात से जुड़ी अहम जानकारी साझा की।

एक महीने का व्यावहारिक प्रशिक्षण...कार्यक्रम का संचालन अनुभवी निर्यात प्रशिक्षक विनोद कुमार ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को निर्यात की पूरी प्रक्रिया सरल भाषा में समझाई—व्यापार शुरू करने से लेकर भुगतान प्राप्त करने और सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने तक।

शव ने खोली अवैध निर्माणों की पोल, शोरूम के पीछे बनी रिहायशी बिल्डिंग सवालों में

जीरकपुर/यूटर्न/20 जून। शिवालिक विहार में किराए के कमरे से 39 वर्षीय मेवा सिंह का शव मिलने का मामला अब केवल संदिग्ध मौत तक सीमित नहीं रहा। इस घटना ने जीरकपुर में बेलगाम अवैध निर्माण, किरायेदार सत्यापन में लापरवाही और नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस जगह से शव बरामद हुआ, वहां एक शोरूम के पीछे बरामदे और सीमित जगह में पूरी रिहायशी बिल्डिंग खड़ी कर दी गई।

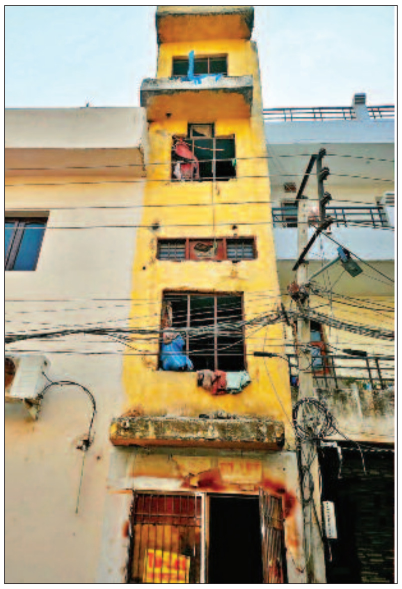

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस इमारत में कई कमरे बनाकर प्रवासी लोगों को किराए पर रखा गया है। सवाल उठ रहा है कि ऐसी इमारत बनते समय नगर परिषद के अधिकारी कहां थे।

जीरकपुर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान अवैध निर्माणों की बाढ़ सी आ गई है। रिहायशी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियां और व्यावसायिक परिसरों के पीछे अवैध रिहायशी ढांचे खड़े किए जा रहे हैं। न पार्किंग की व्यवस्था है, न सुरक्षा मानकों का पालन और न ही किसी प्रकार की जवाबदेही तय होती दिख रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पूरी बिल्डिंग तैयार हो जाती है, उसमें लोग रहने लगते हैं और किराया वसूला जाने लगता है, तब भी नगर परिषद को भनक तक नहीं लगती। लोगों ने आरोप लगाया कि शहर में निर्माण नियम केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। इस मामले में एक और गंभीर बात सामने आई है कि मृतक मेवा सिंह की पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवाई गई थी। जबकि पुलिस लगातार किरायेदार सत्यापन को लेकर अभियान चलाने का दावा करती है। इसके बावजूद मकान मालिक नियमों को ताक पर रखकर किरायेदार रख रहे हैं। मेवा सिंह की मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी, लेकिन इस घटना ने शहर की कमजोर निगरानी व्यवस्था को जरूर उजागर कर दिया है। लोगों ने मांग की है कि नगर परिषद और संबंधित विभाग इस मामले को केवल एक मौत मानकर फाइलों में न दबाएं, बल्कि अवैध निर्माणों की जांच कर जवाबदेही तय करें।

अवैध आइसक्रीम रेहड़ियों पर नगर निगम की कार्रवाई, 50 रेहड़ियां जब्त

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। नगर निगम चंडीगढ़ ने अवैध रूप से सड़क किनारे कारोबार करने वालों के खिलाफ शनिवार सुबह विशेष अभियान चलाते हुए सेक्टर-20 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान निगम की प्रवर्तन टीम ने 50 अवैध आइसक्रीम रेहड़ियों को जब्त किया।

नगर निगम के अनुसार यह अभियान सुबह 7 बजे शुरू किया गया और प्रवर्तन उप निरीक्षकों की निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से संचालित किया गया। कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति के कब्जा कर कारोबार कर रहे आइसक्रीम विक्रेताओं की पहचान कर उन्हें हटाया गया। निगम अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही को सुचारु बनाना, सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण रोकना

तथा क्षेत्र में स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखना है।

नगर निगम ने स्पष्ट किया कि शहर के बाजारों और सार्वजनिक स्थलों को अवैध कब्जों से मुक्त रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। साथ ही नगर निगम नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

स्वीपिंग मशीन बनी सिरदर्द, सफाई के नाम पर दिन में बढ़ा जाम और धूल का गुबार

जीरकपुर/यूटर्न/20 जून। शहर को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से एनएचएआई द्वारा सड़कों पर उतारी गई स्वीपिंग मशीन शनिवार को लोगों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गई। व्यस्त समय में मशीन के संचालन से कई प्रमुख मार्गो पर यातायात की रफ्तार थम गई और वाहन चालकों को लंबे जाम का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि सफाई व्यवस्था का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे आम जनता को दिक्कत न हो, लेकिन यहां उल्टा हो रहा है।

शनिवार दोपहर जब शहर की सड़कें वाहनों से भरी हुई थीं, उसी दौरान भारी-भरकम स्वीपिंग मशीन सड़कों पर सफाई करती नजर आई। मशीन के धीमे संचालन के कारण पीछे वाहनों की लंबी कतारें लग गई। पहले से ट्रैफिक दबाव झेल रहे जीरकपुर में इससे स्थिति और बिगड़ गई। गर्मी के बीच लोगों को रेंग-रेंग कर सफर करना पड़ा।

दोपहिया वाहन चालकों ने बताया कि मशीन के चलते सड़क पर जमा धूल और मिट्टी हवा में उड़ने लगी, जिससे उन्हें सांस लेने में परेशानी हुई। कई लोगों ने आंखों में जलन और धूल से दिक्कत होने की शिकायत भी की। उनका कहना था कि सफाई के दौरान पानी का पर्याप्त छिड़काव नहीं होने से धूल का गुबार आसपास फैल गया।

सड़क किनारे दुकानदारों ने भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि सुबह दुकानों की सफाई करने के बावजूद दोपहर में मशीन गुजरने के बाद धूल फिर से दुकानों के अंदर पहुंच गई। दुकानदारों के अनुसार सफाई का उद्देश्य वातावरण को बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि धूल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से सवाल किया कि जब चंडीगढ़ और पंचकूला जैसे शहरों में सड़क सफाई का कार्य अधिकतर रात या तड़के सुबह किया जाता है, ताकि यातायात प्रभावित न हो, तो जीरकपुर में इसे दिन के व्यस्त समय में क्यों किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि बेहतर योजना बनाकर इस समस्या से बचा जा सकता है।

निवासियों ने प्रशासन और एनएचएआई से मांग की है कि सड़क सफाई का कार्य रात या सुबह के समय किया जाए, ताकि शहर की स्वच्छता भी बनी रहे और लोगों को जाम, धूल तथा अनावश्यक परेशानी का सामना भी न करना पड़े।

अधिकारी ने नहीं दिया जवाब

इस संबंध में एनएचएआई के संबंधित अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और फोन काट दिया।

लोगों के सवाल

- व्यस्त समय में ही क्यों चलाई जा रही है मशीन?
- सफाई के दौरान धूल नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं?
- रात में सफाई कर ट्रैफिक समस्या से क्यों नहीं बचा जा सकता?
- क्या सफाई कार्य की टाइमिंग तय करने से पहले स्थानीय हालात का आकलन किया गया था?

400 ग्राम चरस समेत दो गिरफ्तार, बिना नंबर की स्कॉर्पियो भी जब्त

जीरकपुर/यूटर्न/20 जून। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जीरकपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को 400 ग्राम चरस (सुल्फा) सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रवि पाल और सनी उकतान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद नशीले पदार्थ के अलावा बिना नंबर प्लेट वाली काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 जून को वीआईपी रोड स्थित एम केयर अस्पताल के निकट कार्रवाई के दौरान एएसआई शरत चंद्र से प्राप्त सूचना के आधार पर एएसआई राजीव कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों संदिग्धों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके पास मौजूद हरे रंग के एक लिफाफे से चरस बरामद हुई। पुलिस द्वारा मौके पर इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर लिफाफे सहित कुल वजन 400 ग्राम पाया गया। बरामद नशीले पदार्थ को नियमानुसार सील कर कब्जे में लिया गया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच अधिकारी एएसआई राजीव कुमार ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल करने की प्रक्रिया की जा रही है। पूछताछ के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि बरामद चरस उन्हें कहां से प्राप्त हुई थी और इसकी आपूर्ति किन लोगों तक की जानी थी। पुलिस का मानना है कि आरोपियों के तार किसी बड़े नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। इसी कड़ी में स्कॉर्पियो वाहन की भी जांच की जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

नशे के खिलाफ अभियान जारी

जीरकपुर पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में नशा तस्करी और नशे के कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी है। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि नशा तस्करी से संबंधित किसी भी सूचना को तुरंत पुलिस के साथ साझा करें, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

गांव खानपुर में सड़क के बीच खड़े गंदे पानी से परेशान मोहल्लेवासियों ने प्रदर्शन किया

दलजीत अजनोहा

हुशियारपुर/यूटर्न/20 जून। गांव खानपुर में गलियों में खड़े गंदे पानी से परेशान मोहल्ले के लोगों ने झोना उठाकर पंजाब सरकार, बी.डी.पी.ओ. तथा पंचायत के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। गाँव के निवासी सोहन सिंह, जसपाल सिंह पाला, गुरमीत कौर, सत्येश कुमार बांसल, रजिन्दर बांसल, अमनदीप सिंह, कुंदनवीर, रीना शर्मा, अनीता रानी और बलविंदर कौर ने बताया कि पंचायत द्वारा गंदा पानी न निकालने के कारण घरों और वर्षा के पानी का जल गाँव की मुख्य गली में ठहरा रहता है और वह तालाब जैसा रूप धारण करने लगा है। उन्होंने कहा कि इस गली से भारी वाहन गुजरने के कारण गली पूरी तरह टूट चुकी है और गली की बनी हुई किनारे भी टूट चुके हैं, जिस कारण यहाँ गाँववासियों और राहगीरों के लिए चलना बहुत कठिन हो गया है।

ब्लैक आउटफिट में श्रुति हासन का बोल्ड अंदाज वायरल

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री श्रुति हासन एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में सामने आए उनके स्टाइलिश लुक ने सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान खींच लिया है। ब्लैक आउटफिट और कैजुअल शूज के कॉम्बिनेशन में श्रुति का बोल्ड फैशन स्टेटमेंट काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस उनके इस अंदाज को क्लासी और कॉन्फिडेंट बता रहे हैं। श्रुति हासन अपने अभिनय के साथ-साथ यूनिक फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं।

स्वस्थ जीवन का फॉर्मूला: क्या खाएं, कितना चलें और कैसे रहें फिट – डॉ. संदीप पुरी से खास बातचीत

बीमारी का इलाज जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है स्वस्थ रहने की आदतें अपनाना

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जून। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर मिलने वाली सलाह और वास्तविक स्वास्थ्य के बीच का फर्क समझना भी उतना ही जरूरी है। इसी विषय पर हमने बात की एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. संदीप पुरी से, जिन्होंने अपने अनुभव, स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सुझाव और अपने प्रेरणादायक सफर को साझा किया।

दादा का सपना बना जीवन का लक्ष्य

डॉ. संदीप पुरी बताते हैं कि उनके परिवार में पहले कोई डॉक्टर नहीं था, लेकिन उनके दादा की इच्छा थी कि परिवार से कोई एक डॉक्टर बने। उसी प्रेरणा ने उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1982 में वह लुधियाना पढ़ाई के लिए आए, मेडिकल शिक्षा पूरी की और बाद में दिल्ली में भी काम किया। इसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज में पढ़ाने, प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाने और हजारों मरीजों की सेवा करने का अवसर मिला। लंबे समय तक मेडिकल सुपरिंटेंडेंट और प्रिंसिपल जैसे पदों पर काम करने के बाद अब वे निजी क्लिनिक के माध्यम से लोगों को सेवाएं दे रहे हैं।

डॉक्टर बनने में परिवार की भूमिका सबसे अहम

डॉ. पुरी के अनुसार डॉक्टर का पेशा सिर्फ व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा परिवार निभाता है। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक सुबह से देर रात तक काम करने के दौरान परिवार का सहयोग सबसे बड़ी ताकत रहा। उनकी पत्नी, जो स्वयं स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं, और बच्चों ने हमेशा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

आज की सबसे बड़ी चुनौती– लाइफस्टाइल डिजीज

डॉ. पुरी कहते हैं कि आज अस्पतालों में आने वाले मरीजों की बीमारियों का स्वरूप बदल चुका है। पहले जहां संक्रमण ज्यादा होते थे, वहीं अब डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज, मोटापा, अस्थमा और लाइफस्टाइल से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

उन्होंने बताया कि मौसम बदलने के साथ बीमारियों का स्वरूप भी बदलता है–

- गर्मियों में वायरल और पेट संबंधी संक्रमण
- बारिश और बाद के महीनों में डेंगू-मलेरिया
- सर्दियों में सांस और छाती संबंधी समस्याएं

युवाओं में हार्ट अटैक– डर या सच्चाई?

पिछले कुछ वर्षों में कम उम्र में हार्ट अटैक के मामलों पर चर्चा बढ़ी है। डॉ. पुरी मानते हैं कि ऐसे मामले पहले भी होते थे, लेकिन सोशल मीडिया के कारण अब उनकी जानकारी ज्यादा सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि इसमें कई कारण भूमिका निभाते हैं–

- खराब लाइफस्टाइल
- जेनेटिक कारण
- तनाव
- पहले से मौजूद बीमारियां

उन्होंने कहा कि हर हार्ट अटैक को किसी एक कारण से जोड़ना सही नहीं होगा।

क्या कोविड वैक्सीन से बढ़ी स्वास्थ्य समस्याएं?

इस सवाल पर डॉ. पुरी ने कहा कि अभी तक उपलब्ध वैज्ञानिक जानकारी के आधार पर हर बीमारी को वैक्सीन से जोड़ना सही नहीं है। उनका मानना है कि कोविड एक बड़ी महामारी थी और आने वाले समय में शोध के जरिए और स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

वेपिंग भी उतनी ही नुकसानदायक

आज युवाओं में वेपिंग का चलन बढ़ रहा है। डॉ. पुरी का साफ कहना है कि कोई भी ऐसी चीज जो फेफड़ों में टॉक्सिन पहुंचाती है, स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित नहीं मानी जा सकती। यह मानना कि वेपिंग पूरी तरह सुरक्षित विकल्प है, गलत धारणा हो सकती है।

स्वस्थ जीवन के 5 सुनहरे नियम

डॉ. संदीप पुरी के अनुसार हेल्दी लाइफस्टाइल के पांच मजबूत स्तंभ हैं–

1. संतुलित भोजन
कम चीनी, कम मैदा, कम तला भोजन और ज्यादा फल, सब्जियां, दालें और अनाज।

1. नियमित व्यायाम
सप्ताह में कम से कम 5 दिन, 40-45 मिनट की शारीरिक गतिविधि जरूरी।

1. पर्याप्त नींद
लगभग 7 घंटे की अच्छी नींद शरीर को रीचार्ज करती है।

1. सही मात्रा में पानी
खासकर गर्मियों में पर्याप्त पानी शरीर और किडनी दोनों के लिए जरूरी।

1. तनाव को संभालना सीखें
मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य।

सिर्फ बच्चों को नहीं, बड़ों को भी चाहिए वैक्सीन

डॉ. पुरी ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया– एडल्ट वैक्सीनेशन। उन्होंने बताया कि कई वैक्सीन सिर्फ बच्चों के लिए नहीं बल्कि बड़ों के लिए भी जरूरी हो सकती हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें डायबिटीज, हार्ट डिजीज या कमजोर इम्यूनिटी जैसी स्थितियां हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीन शरीर के लिए एक 'सुरक्षा ताले' की तरह काम करती है– बीमारी का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होता, लेकिन काफी कम हो सकता है।

संदेश: 'स्वस्थ रहना कोई एक दिन का फैसला नहीं, बल्कि रोज की छोटी-छोटी आदतों का परिणाम है। इलाज से बेहतर है बचाव और संतुलित जीवनशैली।'

अड्डा टुटोमजारा में ठंडे-मीठे जल की छबील व चने के प्रसाद का भंडारा आयोजित

दलजीत अजनोहा

हुशियारपुर/यूटर्न/20 जून। श्री गुरु अर्जुन देव साहिब जी महाराज की लासानी शहादत तथा शहीदों सिंहों की स्मृति को समर्पित, संत बाबा अजीत सिंह जी महाराज की अपार कृपा के चलते कस्बे के समस्त निवासियों तथा प्रवासी भारतीयो गांव मेघोवाल दोआबा के सहयोग से और संत बाबा मखन सिंह जी,

संत बाबा बलवीर सिंह जी शास्त्री (निर्मल कुटिया) तथा संत बाबा नागर सिंह जी मिसल तरना दल हरिया वेला टुटोमजारा के सहयोग से अड्डा टुटोमजारा में ठंडे-मीठे जल की छबील तथा चने के प्रसाद का भंडारा अनवरत रूप से लगाया गया। छबील का शुभारंभ ग्रंथी चरण सिंह जी द्वारा अकाल पुरख के चरणों में स्सरबत के भलेः की अरदास करके किया गया। इसके उपरांत प्रबंधकों द्वारा महापुरखों को सिरोपा- सत्कार कर सम्मानित किया गया। समापन समय संत बाबा बलवीर सिंह जी शास्त्री द्वारा साहिब सतगुरु श्री गुरु अर्जुन देव साहिब जी महाराज की महान शहादत पर प्रकाश डाला गया तथा गुरु साहिबान के परोपकारी जीवन और उपदेश संगतों को बताये गए।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372